Job

Chapter 39

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

תִּשְׁמֹֽר׃	אַיָּלוֹת	חֹלֶל	סֶלַע	יַעֲלֵי־	לֶדֶת	עֵת	הֲיָדַעְתָּ	1
तू-देखता-है	हिरणियों-का	प्रसव-पीड़ा	चट्टान-की	पहाड़ी-बकरियों	जन्म-देने-का	समय	क्या-तू-जानता-है	
H8104	H0355		H5553	H3277	H3205	H6256	H3045	

"अय्यूब, क्या तू जानता है कि पहाड़ी बकरी कब ब्याती हैं? क्या तूने कभी देखा जब हिरणी ब्याती है?

לִדְרָתָֽנָה׃	עֵת	וְיָדַעְתָּ	תְּמַלֶּאנָה	יְרָחִים	תִּסְפֹּר	2
उनके-जनने-का	समय	और-तू-जानता-है	वे-पूरे-करतीं-हैं	महीने	तू-गिनता-है	
H3205	H6256	H3045	H4390	H3391		

अय्यूब, क्या तू जानता है पहाड़ी बकरियाँ और माता हरिणियाँ कितने महीने अपने बच्चे को गर्भ में रखती हैं? क्या तूझे पता है कि उनका ब्याने का उचित समय क्या है?

תְּשַׁלַּחְנָה׃	חֶבְלֵיהֶם	תְּפַלַּחְנָה	יַלְדֵיהֶן	תִּכְרַעְנָה	3
वे-भेजतीं-हैं	उनकी-पीड़ाएं	वे-जन्म-देतीं-हैं	अपने-बच्चे	वे-झुकतीं-हैं	
H7971		H6398	H3206	H3766	

वे लेट जाती हैं और बच्चों को जन्म देती है, तब उनकी पीड़ा समाप्त हो जाती है।

לָמוֹ׃	שָׁבוּ	וְלֹא־	יָצְאוּ	בַבָּר	יִרְבּוּ	בְּנֵיהֶם	יַחְלְמוּ	4
उनके-पास	लौटते-हैं	और-नहीं	वे-जाते-हैं	जंगल-में	बढ़ते-हैं	उनके-बच्चे	बलवान-होते-हैं	
	H7725	H3808	H3318					

पहाड़ी बकरियों और हरिणी माँ के बच्चे खेतों में हृष्ट—पुष्ट हो जाते हैं। फिर वे अपनी माँ को छोड़ देते हैं, और फिर लौट कर वापस नहीं आते।

פִּתָּֽחַ׃	מִי	עָרוֹד	וּמוֹסְרוֹת	חָפְשִׁי	פֶּרֶא	שִׁלַּח	מִי־	5
खोले	किसने	जंगली-गधे-के	और-बंधन	स्वतंत्र	जंगली-गधे	भेजा	किसने	
	H4310	H6171	H4147	H2670	H6501	H7971	H4310	

"अय्यूब, जंगली गधों को कौन आजाद छोड़ देता है किसने उसके रस्से खोले और उनको बन्धन मुक्त किया

מְלֵחָה׃	וּמִשְׁכְּנוֹתָיו	בֵּיתּוֹ	עֲרָבָה	שַׁמְתִּי	אֲשֶׁר־	6
खारी-भूमि	और-उसके-निवास	उसका-घर	जंगल	मैंने-ठहराया	जिसके	
H4420	H4908		H6160			

यह मैं (यहोवा) हूँ जिसने बनैले गधे को घर के रूप में मरुभूमि दिया। मैंने उनको रहने के लिये रेही धरती दी।

יִשְׁמָֽע׃	לֹא	נֹגֵשׂ	תְּשָׁאוֹת	קִרְיָה	לַהֲמוֹן	יִשְׂחַק	7
वह-सुनता-है	नहीं	चालक-की	चिल्लाहट	नगर-के	शोर-पर	वह-हँसता-है	
H8085	H3808	H5065	H8663	H7151		H7832	

बनैला गधा शोर भरे नगरों के पास नहीं जाता है और कोई भी व्यक्ति उसे काम करवाने के लिये नहीं साधता है।

יִדְרוֹשׁ׃	יָרֹק	כָּל־	וְאַחַר	מִרְעֵהוּ	הָרִים	יְתוּר	8
वह-ढूँढता-है	हरियाली	सब	और-पीछे	उसकी-चरागाह	पहाड़ों-में	वह-खोजता-है	
H1875	H3387	H3605		H4829	H2022	H3491	

बनैले गधे पहाड़ों में घूमते हैं और वे वहीं घास चरा करते हैं। वे वहीं पर हरी घास चरने को ढूँढते रहते हैं।

אֲבוּסֶֽךָ׃	עַל־	יָלִין	אִם־	עָבְדֶּךָ	רֵים	הֲיֹאבֶה	9
तेरी-चरनी	पर	वह-रहेगा	या	तेरी-सेवा-करने	जंगली-साँड़	क्या-राज़ी-होगा	
H0018				H5647	H7214	H0014	

“अय्यूब, बता, क्या कोई जंगली सांड़ तेरी सेवा के लिये राजी होगा क्या वह तेरे खलिहान में रात को रुकेगा

10

הֲתִקְשָׁר־	רֵ֭ים	בְּתֶ֣לֶם	עֲבֹת֑וֹ	אִם־	יְשַׂדֵּ֖ד	עֲמָקִ֣ים	אַחֲרֶֽיךָ׃
क्या-तू-बाँधेगा	जंगली-साँड़-को	खेत-की-नाली-में	उसकी-रस्सी-से	या	वह-हेंगा-करेगा	घाटियों-को	तेरे-पीछे
H7194	H7214	H8525	H5688		H7702	H6010	

अय्यूब, क्या तू जंगली सांड़ को रस्से से बाँध कर अपना खेत जुता सकता है क्या घाटी में तेरे लिये वह पटेला करेगा

11

הֲֽתִבְטַח־	בּ֭וֹ	כִּי־	רַ֣ב	כֹּח֑וֹ	וְתַעֲזֹ֖ב	אֵלָ֣יו	יְגִיעֶֽךָ׃
क्या-तू-भरोसा-रखेगा	उस-पर	कि	बहुत	उसका-बल	और-तू-छोड़ेगा	उस-पर	तेरी-मेहनत
H0982						H0413	H3018

अय्यूब, क्या तू किसी जंगली सांड़ के भरोसे रह सकता है क्या तू उसकी शक्ति से अपनी सेवा लेने की अपेक्षा रखता है

12

הֲתַאֲמִ֣ין	בּ֭וֹ	כִּֽי־	[ישׁוב]	(יָשִׁ֣יב)	זַרְעֶ֑ךָ	וְֽגָרְנְךָ֥	יֶאֱסֹֽף׃
क्या-तू-भरोसा-करेगा	उस-पर	कि	[वह-लौटाएगा]	(वह-लौटाएगा)	तेरा-बीज	और-तेरा-खलिहान	वह-इकट्ठा-करेगा
H0539			H7725	H7725	H2233	H1637	H0622

क्या तू उसके भरोसे है कि वह तेरा अनाज इकट्ठा तेरे और उसे तेरे खलिहान में ले जाये

13

כְּנַף־	רְנָנִ֥ים	נֶעֱלָ֑סָה	אִם־	אֶ֝בְרָה	חֲסִידָ֗ה	וְנֹצָֽה׃
पंख	शुतुरमुर्ग-का	आनन्द-से-फड़फड़ाता-है	या	पंख	सारस-का	और-पंख
H3671	H7443	H5965		H0084	H2624	H5133

“शुतुरमुर्ग जब प्रसन्न होता है वह अपने पंख फड़फड़ाता है किन्तु शुतुरमुर्ग उड़ नहीं सकता। उसके पर और पंख सारस के जैसे नहीं होते।

14

כִּֽי־	תַעֲזֹ֣ב	לָאָ֣רֶץ	בֵּצֶ֑יהָ	וְֽעַל־	עָפָ֥ר	תְּחַמֵּֽם׃
कि	वह-छोड़ती-है	भूमि-पर	अपने-अंडे	और-पर	धूल	वह-गर्म-करती-है
		H0776	H1000		H6083	H2552

शुतुरमुर्ग धरती पर अण्डे देती है, और वे रेत में सेये जाते हैं।

15

וַ֭תִּשְׁכַּח	כִּי־	רֶ֣גֶל	תְּזוּרֶ֑הָ	וְחַיַּ֖ת	הַשָּׂדֶ֣ה	תְּדוּשֶֽׁהָ׃
और-वह-भूल-जाती-है	कि	पैर	उन्हें-कुचलेगा	और-जन्तु	मैदान-का	उन्हें-रौंदेगा
H7911		H7272	H2115			H1758

किन्तु शुतुरमुर्ग भूल जाता है कि कोई उसके अण्डों पर से चल कर उन्हें कुचल सकता है, अथवा कोई बनैला पशु उनको तोड़ सकता है।

16

הִקְשִׁ֣יחַ	בָּנֶ֣יהָ	לְּלֹא־	לָ֑הּ	לְרִ֖יק	יְגִיעָ֣הּ	בְּלִי־	פָֽחַד׃
वह-कठोर-होती-है	अपने-बच्चों-के-प्रति	जैसे-नहीं	उसके	व्यर्थ-में	उसकी-मेहनत	बिना	भय
H7188		H3808		H7385	H3018	H1097	H6343

शुतुरमुर्ग अपने ही बच्चों पर निर्दयता दिखाता है जैसे वे उसके बच्चे नहीं है। यदि उसके बच्चे मर भी जाये तो भी उसको उसकी चिन्ता नहीं है।

17

כִּֽי־	הִשָּׁ֣הּ	אֱל֣וֹהַּ	חָכְמָ֑ה	וְלֹא־	חָ֥לַק	לָ֝֗הּ	בַּבִּינָֽה׃
कि	भुला-दिया-उसे	परमेश्वर-ने	बुद्धि	और-नहीं	बाँटी	उसे	समझ-में
	H5382	H0433	H2451	H3808			H0998

ऐसा क्यों क्योंकि मैंने (परमेश्वर) उस शुतुरमुर्ग को विवेक नहीं दिया था। शुतुरमुर्ग मूर्ख होता है, मैंने ही उसे ऐसा बनाया है।

18

כָּ֭עֵת	בַּמָּר֣וֹם	תַּמְרִ֑יא	תִּשְׂחַ֥ק	לַ֝סּ֗וּס	וּלְרֹכְבֽוֹ׃
जब	ऊँचाई-पर	वह-दौड़ती-है	वह-हँसती-है	घोड़े-पर	और-उसके-सवार-पर
H6256	H4791	H4754	H7832		H7392

किन्तु जब शुतुरमुर्ग दौड़ने को उठती है तब वह घोड़े और उसके सवार पर हँसती है, क्योंकि वह घोड़े से अधिक तेज भाग सकती है।

19

הֲתִתֵּ֣ן	לַסּ֣וּס	גְּבוּרָ֑ה	הֲתַלְבִּ֥ישׁ	צַוָּאר֗וֹ	רַעְמָֽה׃
क्या-तूने-दिया	घोड़े-को	शक्ति	क्या-तूने-पहनाया	उसकी-गर्दन-पर	अयाल
H5414		H1369	H3847		H7483

“अय्यूब, बता क्या तूने घोड़े को बल दिया और क्या तूने ही घोड़े की गर्दन पर अयाल जमाया है?

20

:אֵימָה	נַחְרוֹ	הוֹד	כָּאַרְבֶּה	הֲתַרְעִישֶׁנּוּ
भय	उसकी-हिनहिनाहट-की	प्रताप	टिड्डी-की-तरह	क्या-तू-कुदाता-है-उसे
H0367		H1935	H0697	H7493

अय्यूब, बता जैसे टिड्डी कूद जाती है क्या तूने वैसा घोड़े को कुदाया है? घोड़ा घोर स्वर में हिनहिनाता है और लोग डर जाते हैं।

21

:נָשֶׁק	לִקְרַאת־	יֵצֵא	בְכֹחַ	וְיָשִׂישׂ	בָעֵמֶק	יַחְפְּרוּ
हथियार-के	सामने	वह-जाता-है	शक्ति-में	और-आनन्दित-होता-है	घाटी-में	वे-खोदते-हैं
H5402	H7125	H3318		H7797	H6010	H2658

घोड़ा प्रसन्न है कि वह बहुत बलशाली है और अपने खुर से वह धरती को खोदा करता है। युद्ध में जाता हुआ घोड़ा तेज दौड़ता है।

22

:חָרֶב	מִפְּנֵי־	יָשׁוּב	וְלֹא־	יֵחָת	וְלֹא	לְפַחַד	יִשְׂחַק
तलवार	सामने-से	वह-लौटता-है	और-नहीं	वह-घबराता-है	और-नहीं	भय-पर	वह-हँसता-है
H2719	H6440	H7725	H3808	H2865	H3808	H6343	H7832

घोड़ा डर की हँसी उड़ाता है क्योंकि वह कभी नहीं डरता। घोड़ा कभी भी युद्ध से मुख नहीं मोड़ता है।

23

:וְכִידוֹן	חֲנִית	לַהַב	אַשְׁפָּה	תִּרְנֶה	עָלָיו
और-बरछी	भाला	लहू	तरकश	खड़कता-है	उस-पर
H3591	H2595	H3851	H0827	H7439	

घोड़े की बगल में तरकस थिरका करते हैं। उसके सवार के भाले और हथियार धूप में चमचमाया करते हैं।

24

:שׁוֹפָר	קוֹל	כִּי־	יַאֲמִין	וְלֹא־	אָרֶץ	יְגַמֶּא־	וְרֹגֶז	בְּרַעַשׁ
नरसिंगे-की	आवाज़	कि	वह-विश्वास-करता-है	और-नहीं	भूमि-को	वह-निगलता-है	और-क्रोध-से	काँपते-हुए
H7782			H0539	H3808	H0776	H1572	H7267	H7494

घोड़ा बहुत उत्तेजित है, मैदान पर वह तीव्र गति से दौड़ता है। घोड़ा जब बिगुल की आवाज सुनता है तब वह शान्त खड़ा नहीं रह सकता।

25

:וּתְרוּעָה	שָׂרִים	רַעַם	מִלְחָמָה	יָרִיחַ	וּמֵרָחוֹק	הֶאָח	יֹאמַר	שֹׁפָר	בְּדֵי
और-जयध्वनि	सरदारों-की	गरजना	युद्ध	वह-सूंघता-है	और-दूर-से	आहा	वह-कहता-है	नरसिंगे	पर्याप्तता-से
H8643	H8269	H7482	H4421	H7306	H7350	H1889	H0559	H7782	H1767

जब बिगुल की ध्वनि होती है घोड़ा कहा करता है “अहा!” वह बहुत ही दूर से युद्ध को सूँघ लेता हैं। वह सेना के नायकों के घोष भरे आदेश और युद्ध के अन्य सभी शब्द सुन लेता है।

26

:לְתֵימָן	(כְּנָפָיו)	[כנפו]	יִפְרֹשׂ	נֵץ	יַאֲבֶר־	הֲמִבִּינָתְךָ
दक्षिण-की-ओर	(अपने-पंख)	[अपना-पंख]	वह-फैलाता-है	बाज़	उड़ता-है	क्या-तेरी-समझ-से
H8486	H3671	H3671	H6566		H0082	H0998

“अय्यूब, क्या तूने बाज को सिखाया अपने पंखो को फैलाना और दक्षिण की ओर उड़ जाना?

27

:קִנּוֹ	יָרִים	וְכִי	נָשֶׁר	יַגְבִּיהַּ	פִּיךָ	עַל־	אִם־
अपना-घोंसला	वह-ऊँचा-बनाता-है	और-कि	गरुड़	ऊँचा-उड़ता-है	तेरी-आज्ञा	पर	या
H7064			H5404	H1361	H6310		

अय्यूब, क्या तू उकाब को उड़ने की और ऊँचे पहाड़ों में अपना घोंसला बनाने की आज्ञा देता है?

28

:וּמְצוּדָה	סֶלַע	שֶׁן־	עַל־	וְיִתְלֹנָן	יִשְׁכֹּן	סֶלַע
और-किले	चट्टान-की	चोटी	पर	और-वह-टिकता-है	वह-रहता-है	चट्टान-पर
	H5553	H8127			H7931	H5553

उकाब चट्टान पर रहा करता है। उसका किला चट्टान हुआ करती है।

29

:יַבִּיטוּ	עֵינָיו	לְמֵרָחוֹק	אֹכֶל	חָפַר־	מִשָּׁם
देखती-हैं	उसकी-आँखें	दूर-से	भोजन	वह-खोजता-है	वहाँ-से
H5027		H7350	H0400	H2658	H8033

उकाब किले से अपने शिकार पर दृष्टि रखता है। वह बहुत दूर से अपने शिकार को देख लेता है।

30	[ואפרחו]	(וְאֶפְרֹחָיו)	יְעַלְעוּ־	דָם	וּבַאֲשֶׁר	חֲלָלִים	שָׁם	הֽוּא׃	פ
	[और-उसके-चूजे]	(और-उसके-चूजे)	चूसते-हैं	लहू	और-जहाँ	लाशें	वहाँ	वह	प
	H0667	H0667	H5966	H1818			H8033	H1931	

> उकाब के बच्चे लहू चाटा करते हैं और वे मरी हुई लाशों के पास इकट्ठे होते हैं।”